>

Title: Need to control water pollution.

श्री नारायण सिंह अमलाबे (राजगढ़): सभापति महोदय, आज पूरे विश्व में पानी की समस्या है तथा स्वच्छ पेयजल विश्व के प्रत्येक नागरिक को उपलब्ध कराना एक अंतर्राष्ट्रीय समस्या बन चुकी है। लेकिन ईश्वर कृपा से भारतवर्ष में हम अपने देशवासियों को पेयजल उपलब्ध करा रहे हैं, यह एक अच्छी खबर है। इस सम्बन्ध में विशेष रूप से मैं यह कहना चाहूंगा कि वर्तमान समय में पेयजल के मुख्य प्राकृतिक स्रोत नदी व तालाब ही हैं जो कि समय के साथ-साथ दिन-ब-दिन प्रदूषित होते जा रहे हैं। हमारे वाटर ट्रीटमेंट प्लांट्स भी पेयजल को उतना शुद्ध नहीं कर पा रहे हैं, जितना कि होना चाहिए, क्योंकि पानी के स्रोत जो हैं, वे बहुत अधिक प्रदूषित हो चुके हैं। इस सम्बन्ध में मेरा सरकार से अनुरोध है कि हम शहरी और नगरीय निकाय के लिए जो भी विशेष योजना है, जैसे आईटीएस, एमटी तथा यूटीएसएमटी व अन्य कोई नदी तालाब संरक्षण जैसी योजनाएं स्वीकृत करें। उनकी प्लान में सालिड वेस्ट ट्रीटमेंट प्लांट का प्रावधान अनिवार्य कर देना चाहिए। इस आशय के निर्देश सभी राज्य सरकारों को भी दिए जाने चाहिए। साथ ही साथ इस सम्बन्ध में यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि सालिड वेस्ट या औद्योगिक क्षेत्र का कोई भी आउटलेट किसी भी परिस्थिति में पानी के स्रोत नदी या तालाबों में नहीं जाने पाए। अधिकांश औद्योगिक क्षेत्रों की नदियों के प्रदूषित होने का एक मुख्य कारण यही है। यद्यपि कई औद्योगिक ईकाइयां जो कि विधिवत रूप से संबंधित राज्यों में स्थापित प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से एनओसी लेकर ही अपना उत्पादन प्रारम्भ करती हैं, लेकिन प्रायः कुछ समय बाद इसका समुचित रूप से पालन नहीं होता है और नदी तालाबों में इन इकाइयों के वेस्ट आउटलेट के जाने के कारण निरंतर प्रदूषण बढ़ता जाता है। इसे रोकने हेतु कड़ाई से पालन होना चाहिए।

सभापति जी, इस बारे में हमें जागरूक होकर कड़े से कड़े कदम उठाने होंगे नहीं तो निश्चित ही आने वाली पीढ़ी हमें माफ नहीं करेगी और निश्चित ही एक दिन उस यूरोपियन लेखन नास्त्रेदमस की वह भविष्यवाणी सच साबित होगी, जिसमें उन्होंने कहा था कि तीसरा विश्व युद्ध पानी के कारण होगा तथा हम भी ऐसी स्थिति में बदकिस्मती से उस वीभत्स घटना के सहभागी बनेंगे।

सभापति जी, आप स्वयं पानी के बारे में सदन में सवाल उठाते रहते हैं। मेरी सरकार से विनती है कि इस ओर तुंत ध्यान दिया जाए।